MASA-02

December - Examination 2018

M.A. (Previous) Sanskrit Examination

ललित साहित्य एवं नाटक

Paper - MASA-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) कालिदास किस रीति के कवि हैं?

(ii) ऋतुसंहार काव्य की कौन सी विधा है? इसमें किन ऋतुओं का वर्णन है?

(iii) गीतिकाव्य के मुख्य भेदों के नाम लिखिए।

(iv) मन्दाक्रान्ता छन्द का लक्षण लिखिए।

(v) शान्त रस के स्थायी भाव का नाम लिखिए।

(vi) दृश्य काव्य को रूपक क्यों कहा जाता है?

(vii) महाकवि भास कृत लोककथा मूलक रचनाओं के नाम लिखिए।

(viii) मृच्छकटिकम् के पंचम अंक का क्या नाम है?

(खण्ड – ब) **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिंदी भाषा में कीजिए।

(i) जातं वंशे भुवनविदिते पुष्करावर्तकानां, जानामि त्वां प्रकृतिपुरुषं कामरूपं मघोन:

तेनार्थित्वं त्वयि विधिवशाद् दूरबन्धुर्गतोऽहं, याच्ञा मोघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा।।

अथवा

(ii) आस्वादितद्विरदशोणितशोण शोभां, सन्ध्यारुणामिव कलां शशलाञ्छनस्य।

जृम्भाविदारित मुखस्य मुखात् स्फुरन्तीं, को हर्तुमिच्छति हरे: परिभूय दंष्ट्राम्।।

3) निम्न में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या संस्कृतभाषा में कीजिए।

(i) तस्यास्तिक्तैर्वनगजमदैर्वासितं वान्तवृष्टि–

र्जम्बूकुञ्जप्रतिहतरयं तोयमादाय गच्छे:।

अन्त:सारं घन तुलयितुं नानिल: शक्ष्यति त्वां,

रिक्त: सर्वो भवति हि लघु: पूर्णता गौरवाय।।

अथवा

(ii) लिम्पतीव तमोऽङ्गनि वर्षतीवाजनं नभ:।

असत्पुरुषसेवेव दृष्टिर्विफलतां गता।।

4) गीतिकाव्य किसे कहते हैं? गीतिकाव्य के मुख्य तत्त्वों को स्पष्ट कीजिए।

5) संस्कृत रूपक की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

6) ''कामार्ता:'' हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाचेतनेषु'' सूक्ति को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

7) मुद्राराक्षस नाटक के नामकरण की समीक्षा कीजिए।

8) कालिदास के कालविषयक मतों का उल्लेख करते हुए गुप्त कालीन मत की समीक्षा कीजिए।

9) प्रज्ञा विक्रमभक्तय: समुदिता येषां गुणा भूतये।
ते भूत्या नृपते: कलत्रमितरे सम्पत्सु आपत्सु च।।
मुद्राराक्षसम् नाटकानुसार उक्त सूक्ति की व्याख्या कीजिए।

(खण्ड – स) **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) गीतिकाव्य किसे कहते हैं? गीतिकाव्य की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

11) ''मेघदूतम् में रस योजना'' पर एक विशद लेख लिखिए।

12) रूपक किसे कहते हैं? रूपक के दश प्रकारों का वर्णन कीजिए।

13) मुद्राराक्षसम् नाटक के आधार पर चाणक्य का चरित्र चित्रण कीजिए।

———